### राजस्व विभाग

### युद्ध जागीर

## दिनांक 28 फरवरी; 1997

कमांक 215-3-2-97/3281.—श्री लखमी दास, पृत्त श्री ढेरुमल निवासी गांव रटोली, तहसील जगाधरी, जिला श्रम्बाला (श्रव यमुनानगर) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम, 1948 की धारा 2(0) (10) तथा 3(10) के श्रधीन सरकार की श्रधिसूचना कमांक 327-3-1-75/7819, दिनांक 21 मार्च, 1975 द्वारा 150 रुपये वाणिक श्रौर वाष्ट में श्रिधसूचना कमांक 1789-3-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये वाणिक श्रौर उसके बाद श्रिधसूचना कमांक 2944-3-2-93/6 दिनांक 293 सगस्त 1993 द्वारा 300 रुपए से बढ़ा कर 1,000 रुपये वाणिक की दर से जागीर मन्जूर की गई थी

2. अब श्री लखमी दास की दिनांक 15 जनवरी, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियस (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपना गया है और उसमें आन तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री लखमी दास की विध्या श्रीमती धनवन्ती के नाम रबी, 1995 से 1,000 रुपये वापिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्ग तबदील करते हैं।

# दिनांक 13 मर्चि, 1997

कमांक 268—ज-2—97/3917.—श्री मांगे राम, पुत श्री साधु, राम निवासी गांव दुधवा, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अबीन सरकार की अधिसूचना कमांक 8922—जन-III—66/15723, दिनांक दिनांक 2 जुलाई 1966 द्वारा 100 रुपये वाणिक और बाद में अधिसूचना कमांक 5041— आर-III—70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वाणिक और उसके बाद अधिसूचना कमांक 1789-ज-1—79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये वाणिक और उसके वाद अधिसूचना कमांक 2944—ज-2-93/15918 दिनांक 26 अगस्त 1993 से बढ़ाकर 1,000 रुपये वाणिक दर से जागीर मन्जुर की गई थी।

2. अबं श्री मांगे राम की दिनांक 12 अप्रैल, 1996 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त मिश्चित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक मंशोधन किया गया है) की धारा 4 के स्थीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर की श्री मांगे राम की विधवा श्रीमती दाना देवी के नाम खरीफ 1996, में 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

### दिनांक 20 मार्च, 1997

कमांक 444-ज-2-97/4561. —श्री राये सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह, निवासी गांव सौलधा, तहसील बहादुर गढ़, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाय युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 की धारा 2(v), (1 v) तथा 3 (1v) के श्रिधीन सरकार की श्रिधसूचना कमांक 1956-र-4-67/2535, दिनांक 27 जुलाई, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक श्रीर बाद में श्रिधसूचना कमांक 5041-श्रार-3-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रिधसूचना कमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकरें 300 रुपये वार्षिक तथा श्रिधसूचना कमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 श्रगस्त, 1993 द्वारा 1,000 रुपये वार्षिक दर से मन्जूर की गई थी।

2. अब श्री राये सिंह की दिनांक 8 अगस्त, 1996 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री राये सिंह की विधवा श्रीमती रिसालों के नाम रबी, 1996 से 1,000 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . , ग्रवर सचित्र, हरियाणा सरकार, राजस्व विसाग